SHW C. R. PATTABHI RAMAN: One of the functions of the Committee is to consider this question of duplication and which journals should discontinue and which should continue and in what form and, if necessary, to amalgamate them.

SHRI M. P. BHARGAVA: What are the terms of reference given to this Committee?

SHRI C. R. PATTABHI RAMAN: They will go into the scope, the impact, the output and the financial arrangements, as far as these journals are concerned, with a view to making recommendations as to which should discontinue and which should continue and in what form in order to effect economy and also to make some impact on the public.

SHRI D. P. KARMARKAR: May I ask whether he will kindly place a list of all these 200"journals on the Table?

SHRI C. R. PATTABHI RAMAN: Yes-

SHRI BBiEN ROY: The Publications Division publishes approximately 11 jour* nals which are given in the report. We get most of them but why is it that in spite of the fact that we brought up this question three years ago, the 'In'dian Information' and "JTravel tin India' which are very useful publications, are not distributed to the Members? What is the point?

SHRI C. R. PATTABHI RAMAN: I do not think there is any particular point. We will consider the matter.

इंडियन स्टेटिस्टिकल इंस्टीटयूट, कलकत्ता के सम्बन्ध में रिव्यू करनें वाली समिति

*505. श्री राम सहाय : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि इंडियन स्टेटिस्टिकल इंस्टीट्यूट, कलकत्ता को दी गई 6 करोड़ 13 लाख रुपये की धनराशि के बारे में रिव्यु करने के लिए जो समिति नियुक्त करने का विचार था, क्या वह अब नियुक्त कर दी गई है; यदि नहीं तो इसके कब तक नियुक्त किये जाने की सम्भावना है ?

t [REVIEWING COMMITTEE ON INDIAN STATISTICAL INSTITUTE, CALCUTTA

*505. SHRI RAM SAHAI: Will the PRIME MINISTER be pleased to state whether the Reviewing Committee which was proposed to be appointed in connection with an amount of Rs. 6 crores 13 lakhs given to the Indian Statistical Institute, Calcutta, has since been appointed; if not, by when it is likely to be appointed?]

प्रधान मंत्री (श्री लाल बहादुर) : भारतीय सांख्यिकीय संस्थान अधिनियम— इंडियन स्टेटिस्टिकल इंस्टीट्यूट ऐक्ट— 1959 धारा 9 के मुताबिक एक समिति मुकर्रर करने का फैसला किया गया है जो अधिनियम लागू होने की तारीख 1-4-1960 से लेकर अब तक 5 सालों के दौरान इंस्टीट्यूट द्वारा किये गये काम का रिव्यू कर सके । समिति का गठन विचाराधीन है और सदस्यों का नाम आखिरी रूप से तय हो जाने और उनकी मंजूरी मिलने के तुरन्त बाद समिति मुकर्रर की जायेगी ।

t[THE PRIME MINISTER (SHRI LAI. BAHADUR): It has been decided to appoint a Committee under Section 9 of the Indian Statistical Institute Act, 1959 to review and evaluate the work done by the Institute during the 5 years since that Act came into force on 1st April 1960. The composition of the Committee is now under consideration and as soon as the question of the personnel of the Committee is settled and their acceptance obtained, the Committee will be appointed.]

श्री राम सहाय : क्या मैं प्रधान मंत्री महोदय से यह जान सकूंगा कि क्या यह कमेटी इस बारे में भी विचार करेगी कि किस मिनिस्ट्री के अन्तर्गत कोई ऐसा डिपार्टमेंट खोला जाय कि जो कार्य इन्स्टीटयुट करता है वह कार्य वह कर सके ?

श्री लाल बहादुर : जी नहीं, यह तो एक संस्था है जिसको कि एक नेशनल स्टेटस

†[ ] English translation.

दिया गया है। यह काम तो वही करेगा, लेकिन हमारा एक दूसरा सेन्ट्रल आरगेनाइजेशन, स्टेटिस्टिकल आरगेनाइजेशन, भी है। वह भी गवर्नमेंट आफ इण्डिया के स्टेटिस्टिक्स सम्बन्धी दूसरे कामों को करता है।

SHRI C. D. PANDE: In view of the fact that this organisation is more or less scrutinise the accounts, our auditors cannot scrutinise the accouns, our audiors cannot look ino their expenditure, will the Government reconsider this side of the question and stop this huge amount of money being/ given to this organisation and since the Government has already another organisation, which is responsible to it, such activities should be done by that organisation under its charge directly?

SHRI LAL BAHADUR: I do not think that the view taken by the hon. Member is quite correct. Their accounts are audited and I think the Government can intervene in the matter if they find that there is any mismanagement. Besides that, as I said, this Institute has been given a national character and is doing useful work. There is no point in stopping the aid to it.

श्री चन्द्र शेखर : क्या वजीरे आजम यह बतलाने की तकलीफ गवारा करेंगे कि क्या यह सही है कि इस इन्स्टीट्यूट का जो औडिट हुआ उसमें औडिट ने बहुत से आब्जेक्शन्स किये ? दूसरे, क्या यह सही है कि इस इन्स्टीट्यूट ने जो आंकड़े बताये उसमें और प्लानिंग कमीशन और गवर्नमेंट का जो फाइनेन्स डिपार्टमेंट है उसके आंकड़ों में अन्तर हुआ और भूतपूर्व प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू जी ने दूसरे सदन में यह कहा था कि इसकी जांच की जायेगी कि इण्डियन स्टेटिस्टिकल इन्स्टीट्यूट जो है वह ठीक तरह से काम कर रहा है या नहीं ? तीसरे, क्या यह सही है कि सरकार के पास इस इन्स्टीट्यूट में काम करने वाले कर्मचारियों ने एक मेमोरेन्डम—स्मरण पत्र—भेजा कि इसका रुपया बर्बाद किया जाता है और उसका ठीक तरह से इस्तेमाल नहीं होता ?

SHRI C. D. PANDE: All Communist* are there.

श्री लाल बहादुर : इसको तो मैं अभी फौरन नहीं कह सकता कि वहां काम करने वाले लोगों ने कोई प्रार्थना पत्र दिया है। लेकिन जहां तक कि स्टेटिस्टिक्स वगैरह के इकट्ठा करने की बात है उसमें काफी मतभेद है, काफी अन्तर है, लोगों की राय में फर्क है और अभी यह काम हमारा एक ऐसा है जिसको हम कह सकते हैं कि उसने बहुत पक्के तरीके पर एक फाइनल या आखिरी शक्ल नहीं ली है इसलिये इस पर विचार होता रहा है—इसमें भी और सेन्ट्रल स्टेटिस्टिकल इन्स्टीट्यूट में भी—कि उसका सैम्पल सरवे, उसकी मेथडालाजी, क्या हो। उसको सुधारने और बनाने की कोशिश की जायेगी। जहां तक उसके काम के बारे में सवाल है, उसके लिये एक रिव्यू कमेटी मुकर्रर की जा रही है जो इस पर विचार करेगी।

श्री ए० बी० वाजपेयी : महोदया, प्रधान मंत्री जी ने कहा कि एक समिति बनाई जायेगी। हम जानना चाहेंगे कि समिति के सम्मुख क्या कोई लिखित आरोप लगाये गये हैं, और यदि हां तो उन आरोपों का स्वरूप क्या है और इस संस्था के विरुद्ध कैसी शिकायतें सरकार को प्राप्त हुई हैं ?

श्री लाल बहादुर : जी नहीं, कायदे और कानून के मुताबिक, यह एक कमेटी मुकर्रर करने का फैसला किया गया है। Section 9 of the Indian Statistical Institute Act के अन्दर यह प्राविजन है, यह बात रखी गई है, कि इन्स्टीट्यूट के काम की जांच पड़ताल की जाय और उस पर वह कमेटी अपनी राय जाहिर करे, फिर उसके ऊपर गवर्नमेंट अपना फैसला दे।

SHRI C. D. PANDE: May I know what is the procedure of recruitment to this Institute? Who appoints the persons who work there and whether they are amenable to Government discipline like other Government servants?

SHRI ARJUN ARORA: They are not Government Servants.

SHRI C. D. PANDE: What are they? They are paid by us.

Srnu LAL BAHADUR: It is an autonomous body an'd they have their own rules of recruitment and method of recruitment.

श्री ब्रज किशोर प्रसाद सिंह : प्रधान मंत्री जी ने यह कहा कि एक कमेटी जांच पड़ताल के लिये बनाई जा रही है । तो क्या वह जांच पड़ताल सिर्फ इस बात को करेगी कि जो पैसा उन्हें मिल रहा है उसका दुरुपयोग तो नहीं हो रहा है या इस बात पर भी वह विचार करेगी कि जो काम यहां हो रहा है वह काम अच्छा हो रहा है, लाभदायक हो रहा है या नहीं ?

श्री लाल बहादुर : जी हां, यह जो दूसरी बात है, उसी के लिये है ।

GURDWARAS IN PAKISTAN

/SHRI RAM SINGH: \
SHRI DEVI SINGH: t

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a deputation of the Nationalist Sikh Party met the Prime Minister in January, 1965 and requested him to approach Pakistan to entrust the control of Gurdwaras left in that country *to* Sikhs; and

(b) if so, what action has been taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMAII LAKSHMI N. MENON): (a) Yes.

(b) The question of the management of Gurdwaras in Pakistan has been repeatedly taken up with the Government of Pakistan but this has been of no avail.

श्री देवी सिंह : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि इस विषय में पाकिस्तान सरकार की आज तक क्या नीति रही है ? क्या वह अल्पमत वालों के पूजा घरों पर सरकारी नियंत्रण कर रही है या अल्प मत वालों का अधिकार है उन पर ?

SHRIMATI LAKSHMI N. MENON: They have got a scheme in Pakistan by which* all the income and other things belonging to the Gurdwaras are constituted into a Charitable and Religious Trust and the management is with the Pakistan Government.

श्री देवी सिंह : इसके विषय में हमारी सरकार पाकिस्तान के साथ जो कार्यवाही कर रही है उसके बारे में हमारी सरकार की क्या नीति है ?

SHRIMATI LAKSHMI N. MENON: Under the Agreement, Pakistan is bound to maintain these Gurdwaras and allow our people to visit them on pilgrimage every year. Pilgrims visit 14 such Gurdwaras and we wanted the preservation to be taken according to the Agreement but so far no conferences were held by which a decision could be taken. Every attempt that we have made has not produced any result at all.

SHRI A. D. MANI: The Minister said just now that the administration of these Gurdwaras is in the hands of a Trust which has been constituted by the Government of Pakistan. May I ask her whether any members of the Sikh community are associated even in an advisory capacity with these Trusts?

SHRIMATI LAKSHMI N. MENON: According to the scheme, no guarantee is provided that the members of the minority community will be appointed to these Boards and in fact none has been appointed so far.

tThe question was actually »«ked on the floor of the House by Shri Dwri Singh.